रयत शिक्षण संस्था का,

चंद्राबाई शांताप्पा शेंडुरे कॉलेज हुपरी

हिंदी विभाग

शिक्षा के परिणाम (Learning outcome)

प्रोग्राम के परिणाम (Programme Outcome)

- साहित्य के माध्यम से छात्रों का नैतिक, बौद्धिक, सौदर्यवादी, मानसिक आदि स्तरों पर वैयक्तिक एवं सामाजिक विकास होता है |
- साहित्य की विधा कविता, कहानी आदि तथा लेखन, शोधकार्य आदि के माध्यम से सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक आदि स्थितियों पर प्रकाश डाला जाता है, जिससे छात्र अवगत हो जाते हैं |
- साहित्य अध्ययन से समाजज्ञान एवं सामाजिक समन्वय स्थापित करने के लिए छात्र सक्षम बनते हैं |
- छात्रों में साहित्य समीक्षा और सामाजिक विषयों का विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ती है |
- समाज विकास के लिए छात्र अपना योगदान दे सकते है |
- छात्र अपने विचारों एवं लेखन कला से बंधुता, राष्ट्रीयता तथा सामाजिक समन्वय का संदेश देते हैं |
- छात्रों में पठन, लेखन, श्रवण, बोलचाल आदि कौशल का विकास होने पर वे अपने विचार एवं भावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं |

Chandrabai Shantappa Shendure College, Hupari
HUPARI

अध्यक्ष हिंदी विभाग

अध्यक्ष
हिंदी विभाग
चंद्राबाई-शांताप्पा शेंडूरे कॉलेज,
हुपरी, जि. कोल्हापूर (महाराष्ट्र)

रयत शिक्षण संस्था का,

चंद्राबाई शांताप्पा शेंडुरे कॉलेज हुपरी

हिंदी विभाग

शिक्षा के परिणाम (Learning outcome)

प्रोग्राम के विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcome)

- छात्रों में साहित्य की पद्य और गद्य विधाओं के प्रति रूचि निर्माण होती है |
- छात्रों में हिंदी पढ़ना, लिखना और बोलने का अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है |
- छात्रों को हिंदी साहित्य एवं हिंदी भाषा के आदिकाल, मध्यकाल और आधुनिककाल की जानकारी मिलती है |
- छात्रों को हिंदी साहित्य एवं हिंदी भाषा के सिंद्धांतों का परिचय होता है |
- विचारवंतों की विचारधारा के आधार पर साहित्य की परख होती है |
- भाषाविज्ञान एवं हिंदी व्याकरण के प्रति दृष्टिकोन विकसित हो जाता है |
- छात्र हिंदी साहित्य एवं हिंदी भाषा की संकल्पना को समझते है एवं उसका व्यवहार में उपयोग कर सकते हैं |
- छात्रों में हिंदी भाषा का ज्ञान दृढ होता है और भाषिक कौशल विकसित होता है |
- छात्रों को देश विदेश के आधुनिक साहित्य की जानकारी मिलती है |

अध्यक्ष, हिंदी विभाग

अध्यक्ष
हिंदी विभाग
चंद्राबाई-शांताप्पा शेंडूरे कॉलेज,
जि.कोल्हापूर(महाराष्ट्र)

Shantappa Shendure College HUPARI

रयत शिक्षण संस्था का,

चंद्राबाई शांताप्पा शेंडुरे कॉलेज हुपरी

हिंदी विभाग

शिक्षा के परिणाम (Learning outcome)

कोर्स परिणाम (Course outcome)

कक्षा	कोर्स	परिणाम
बी.ए. भाग १	हिंदी ऐच्छिक प्रश्नपत्र क्रमांक १ व २	• छात्रों में साहित्य की पद्य और गद्य विधाओं के प्रति रूचि निर्माण होती है | • छात्रों की हिंदी भाषा एवं भाषाशास्त्र के अकलन की क्षमता बढती है | • छात्र भावों की अभिव्यक्ति के लिए भाषा का सुनिश्चित प्रयोग करते हैं | • विविध विषयों का ज्ञान विकसित हो जाता है | • छात्रों में नैतिक एवं मानवी मूल्यों का विकास होता है | • छात्र हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से अवगत होता है |
बी.ए. भाग २	हिंदी प्रश्नपत्र क्रमांक ३ व ५	• छात्रों में साहित्य की गद्य विधाओं के प्रति रूचि निर्माण होती है | • छात्रों को हिंदी कहानियों का ज्ञान होता है | • गद्य साहित्य की एकांकि, निबंध आदि विधाओं

Chandrabai Shantappa Shendure College, Hupari * HUPARI

		का ज्ञान बढ़ता है । • हिंदी साहित्यकारों के परिचय होता है ।
	हिंदी प्रश्नपत्र क्रमांक ४व ६	• छात्रों में हिंदी काव्य के प्रति रूचि निर्माण होती है । • छात्रों हिंदी काव्य की मूल संरचना से परिचित हो जाते हैं । • छात्रों को हिंदी मध्यकालीन कवि एवं उनके साहित्य का ज्ञान मिलता है उदा . कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास आदि । • हिंदी के प्रसिदध आधुनिक साहित्यकारों का अध्ययन होता है ।
.ए . I ३	हिंदी विधा विशेष का अध्ययन प्रश्नपत्र क्रमांक ७ व १२	• उपन्यास और आत्मकथा के तात्विक स्वरूप का परिचय होता है । • उपन्यासकार और आत्मकथाकार के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय होता है । • रवना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ती है • रचना के आस्वदन एवं समीक्षन की क्षमता विकसित होती है । • उपन्यास और आत्मकथा की प्रांसगिकता से अवगत होते हैं ।

Chandrabai-Shantappa Shendure College, Hupari
HUPARI

हिंदी साहित्यशास्त्र प्रश्नपत्र क्रमांक ८ व १३	• साहित्य की मर्म ग्राहिणी क्षमता का विकास होता है | • काव्य के विभिन्न अंगों का सामान्य परिचय हो जाता है • साहित्य समीक्षा की दृष्टि विकसित होती है | • भारतीय तथा पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों तथा हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त होता है |
हिंदी हिंदी साहित्य का इतिहास प्रश्नपत्र क्रमांक ९ व १४	• हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि से परिचित होते है | • हिंदी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन एवं नामकरण तथा विशेषताओं से परिचित होते हैं | • हिंदी साहित्य के इतिहास को कालक्रमानुसार अवगत होते है | • हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित होते है | • हिंदी साहित्य की कालजयी रचनाएँ और रवनाकारों के समान्य परिचय से अवगत हो जाते है |
हिंदी प्रयोजनमूलक हिंदी	• हिंदी भाषा का विकास तथा राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के स्वरूप से छात्र अवगत हो जाते है |

Chandrabai Shantappa Shendure College, Hupari
HUPARI

	प्रश्नपत्र क्रमांक १० व १५	• छात्रों में हिंदी के प्रयोग के प्रति रूचि जगती है तथा उनमें पत्राचार संबंधी क्षमता का विकास होता है | • व्यवहारिक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से छात्र परिचित होते है | • आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्रों परिचित होते है | • अनुवाद का स्वरूप, प्रकार आदि का ज्ञान छात्रों को हो जाता है |
	हिंदी भाषाविज्ञान प्रश्नपत्र क्रमांक ११ व १६	• भाषा के विविध रूपों का परिचय होता है | • भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय होता है | • हिंदी भाषा एवं लिपि के उदभव और विकास का परिचय होता है | • भाषा की शुद्धता के प्रति छात्र जागृत हो जाते है | • मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्र परिचित होते हैं |

अध्यक्ष
हिंदी विभाग
...शेंडूरे कॉलेज,
...हापूर(महाराष्ट्र)

Chandrabai-Shantappa Shendure College
HUPARI